छत्तीसगढ़ आयुर्वेदिक तथा यूनानी चिकित्सा पद्धति एवं प्राकृतिक चिकित्सा बोर्ड ,रायपुर
कार्यालय - शासकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय चिकित्सालय भवन,रायपुर
492010(छत्तीसगढ़) फोन एवं फैक्स 0771 - 2263165
वेबसाईट - www.cgaupcb.in, ई-मेल - registrar@cgaupcb.in,cgaupcbregistrar@gmail.com

चरक प्रतिज्ञा

अहं प्रतिजानां करोमि यद् अहं स्वस्य अध्ययनकाले शास्त्रार्थं सम्यक् ज्ञात्वा वैद्यकीयव्यवसाये दक्षः अभवम्।
मैं प्रतिज्ञा करता हूँ/करती हूँ कि मैं अपने अध्ययनकाल में शास्त्र के अर्थ को अच्छी तरह जानकर वैद्यकीय व्यवसाय में कुशल हो गया हूँ/गई हूँ।
I undertake that during my study period knowing the meaning of the scriptures well, I have become skilled in the medical profession.

अहं दृष्टकर्ता भवितुं सर्वदा यतिष्ये सर्वदा शुचिभूतः च स्याम्।।
मैं दृष्टकर्ता होने के लिए सदा प्रयत्न करूँगा/करूँगी और सदा शुद्ध रूप से रहूँगा/रहूँगी।
I will always try to be practically skilled and will always be pure.

मम सहकारिणां सम्मानम् आदरं च कुर्याम्।।
मेरे सहकर्मियों का सम्मान एवं आदर करूँगा/करूँगी।
I will respect and honor my colleagues.

अहं विद्या,वितर्क,विज्ञान,स्मृति,तत्परताक्रियादिगुणेषु सम्यग् रूपेण सज्जोऽस्मि / सज्जाऽस्मि ।।
मैं विद्या, वितर्क, विज्ञान, स्मृति, तत्परता एवं क्रिया आदि गुणों में अच्छी तरह तैयार हूँ।
I am well prepared in the qualities of learning, debate, science, memory, readiness and action etc.

अहं मदीयं वैद्यकीयं व्यवसायं परमसत्यतया, प्रामाणिकतया, सदसद्विवेकबुद्ध्या आदरभावेन च कुर्याम्।
मैं अपने वैद्यकीय व्यवसाय को परम सत्य रूप से, प्रमाणिक रूप से, सत् एवं असत् विवेक की बुद्धि से और आदरभाव से करूँगा/करूँगी।
I will practise my medical profession most truthfully, authentically, with the wisdom of true and false conscience and with respect.

प्रत्येकेन रुग्णेन सह मम वर्तनं मानवीयं आत्मीयं च स्यात्।
प्रत्येक रोगी के साथ मेरा व्यवहार मानवीय एवं आत्मीय होगा।
My behavior with each patient will be humane and soulful.

अहं रुग्णस्य व्याधिविषये गोपनीयताम् पालयेयम्।।
मैं रोगी की व्याधि के विषय में गोपनीयता का पालन करूँगा/करूँगी।
I will comply confidentiality regarding the patient's illness.

अहं रुग्णं प्रति करुणायाः बन्धुतायाः प्रीतेः च व्यवहारं करिष्यामि।
मैं रोगी के प्रति करुणा, बन्धुता एवं प्रीतिपूर्वक व्यवहार करूँगा/करूँगी।
I will behave with compassion, brotherhood and affection towards the patient.

रुग्णस्य चिकित्सां करिष्यामि एवं भेषजरूपेण स्वकीयसाफल्यस्य, यशसः, विद्यायाश्च प्रयोगं जनकल्याणाय करिष्यामि।।
रोगी की चिकित्सा करूँगा/करूँगी और चिकित्सक के रूप में अपनी सफलता का, यश का एवं विद्या का प्रयोग जनकल्याण के लिए करूँगा/करूँगी।
I will treat the patient and use my success, fame and knowledge as a doctor for welfare of Mankind.

Signature of Practitioner.....